इंटरनेशनल ट्रेड शो

प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के मंच से की घोषणा, मिलेंगे निशुल्क स्टॉल, 8 दिनों का होगा आयोजन

नौ अक्तूबर से हर जिले में आयोजित होगा ट्रेड शो : सचान

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में 9 अक्तूबर से ट्रेड शो आयोजित होगा। प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने रविवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के मंच से इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में पहली आयोजित होने वाले ट्रेड शो में उद्यमियों को निशुल्क स्टॉल मिलेंगे। ट्रेड शो में खादी, टेक्सटाइल, ओडीओपी व अन्य सेक्टर के उद्यमी भाग लेंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे दिन रविवार को "खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन" विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। जिसमें प्रदेश के मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रदेश के 75 जिलों में 9 अक्तूबर से आठ दिवसीय ट्रेड शो का आयोजन होगा।

विवि में खोले जाएंगे खादी काउंटर : मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी वस्त्र नहीं, विचार है। सरकार के प्रयास से यूपी में खादी की बिक्री दोगुना बढ़ गई है। जीएसटी सुधार से एमएसएमई सेक्टर को ताकत मिली है। मंत्री ने कहा कि खादी का उत्पादन घट रहा है। साथ ही शोरूम की संख्या भी कम हो रही है। इस पर सरकार गंभीर है। ब्यूरो

ट्रेड शो में यूपी पुलिस का स्टॉल पुरस्कृत

लखनऊ। ट्रेड शो में प्रदेश पुलिस के स्टॉल को पुरस्कृत किया गया। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और राकेश सचान द्वारा पुलिस अधीक्षक UP-112 निधि सोनकर को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आलोक कुमार आदि मौजूद रहे। बता दें कि डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देशन में ट्रेड शो के हॉल नंबर 4 में यूपी पुलिस द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के संदर्भ में पुलिस की विभिन्न इकाइयों का संयुक्त स्टॉल का प्रदर्शन किया गया है। आयोजकों द्वारा ट्रेड शो के सभी 15 हॉल में लगे स्टॉल में से उनका साइज, सेटअप, माहौल तथा आगंतुकों की संख्या के आधार पर प्रत्येक हॉल के 3 स्टॉल को पुरस्कृत किया गया। ब्यूरो

यूपीआईटीएस में जल जीवन मिशन को मिला बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड

लखनऊ। इंटरनेशल ट्रेड शो में देश और दुनिया से आए लोगों को जल जीवन मिशन की जानकारी और जल संरक्षण की सीख देने के लिए बनाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' प्रदर्शनी को ट्रेड शो के बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड से नवाजा गया। जल जीवन मिशन यूपी को ये पुरस्कार ट्रेड शो एरिया के हॉल नंबर 7 की सबसे शानदार प्रदर्शनी के लिए दिया गया। वहीं, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश का स्टॉल को 'बेस्ट स्टॉल' का अवार्ड दिया गया है। मिशन की ओर से यूनिट हेड कम्यूनिकेशन एंड आउटरीच सोनलिका सिंह ने एमएसएमई मंत्री राकेश सचान से यह अवॉर्ड ग्रहण किया। परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश, प्रभास कुमार ने बताया कि कि महाकुंभ से लेकर छोटी नदियों के पुनरोद्धार तक हमारी कोशिश यही है कि लोग न केवल देखें बल्कि महसूस करें कि गंगा संरक्षण की दिशा में कितनी प्रगति हो रही है। ब्यूरो

ट्रेड शो का आज अंतिम दिन, 500 करोड़ से अधिक के कारोबार की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा। यूपीआईटीएस के चौथे दिन रविवार को 1,34,938 दर्शक पहुंचे। इन्हें मिलाकर चार दिनों में पहुंचे दर्शकों की कुल संख्या 4 लाख के पार हो गई है। चार दिनों में करीब 400 करोड़ रुपये के 1000 से अधिक एमओयू विदेशी खरीदारों के साथ हुए हैं। जबकि 8300 से अधिक व्यावसायिक पूछताछ हुई हैं। ब्यूरो

ट्रंप टैरिफ से नहीं बनी कीमतों पर सहमति लौटे अमेरिकी खरीदार

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी ट्रंप टैरिफ का असर देखने को मिला है। टैरिफ बढ़ने से अमेरिका से आए खरीदारों का प्रदेश के उद्यमियों से तालमेल नहीं बन सका। टैरिफ की वजह से दोनों पार्टियों के बीच कीमतों पर सहमति नहीं बन पाई। उद्यमियों ने अपने उत्पादों की कीमतें कम करने से इन्कार कर दिया। इस कारण अमेरिका के खरीदार ऑर्डर नहीं सके। उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। ब्यूरो

चीनी से बन रहे गिलास दोने, पत्तल और कटोरियां

ग्रेटर नोएडा। चीनी का इस्तेमाल अब केवल सुबह की चाय में ही नहीं होगा बल्कि आप जल्द अब चीनी से बने गिलास में चाय भी पी पाएंगे। ट्रेड शो में चीनी के दानों से बने उत्पाद बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की ओर से पेश किए गए हैं। इन उत्पादों को देखने के लिए लोग अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। अब तक इन उत्पादों का निर्माण महाराष्ट्र में हो रहा था। सितंबर 2026 से चीनी से बनी गिलास, कटोरियां और दोने प्रदेश में भी उपलब्ध होंगे। इसके प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि चीनी को रासायनिक प्रकिया से बदलकर पीएलए (पॉलीलैक्टिक एसिड) में परिवर्तित किया जा रहा है। जिससे उत्पाद तैयार हो रहे हैं। बलरामपुर चीनी मिल शक्कर के गन्ने से बायोप्लास्टिक (पीएलए) बनाने के लिए बायोयुग नामक एक नई तकनीक पर काम कर रही है, जिससे जीवाश्म-ईंधन वाले प्लास्टिक के लिए 100 प्रतिशत कम्पोस्टेबल और पौधे-आधारित विकल्प तैयार हो सकें। ब्यूरो